शब्द–ब्रह्म
E ISSN 2320 – 0871
भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका 17 फरवरी 2025
पीअर रीव्यूड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल

केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. बृज सुन्दर गौतम
सह-आचार्य, शिक्षा संकाय
जवाहर लाल नेहरू स्नातकोत्तर शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
कोटा
सीमा बैरवा (शोधार्थी)
शिक्षा संकाय
कोटा विश्वविद्यालय
कोटा, राजस्थान, भारत

शोध संक्षेप

विद्यार्थियों का व्यक्तित्व उनके जीवन का महत्वपूर्ण अंग है जो उनके व्यक्तिगत, सामाजिक और शैक्षिक जीवन को आकार देता है। व्यक्तित्व का विकास शिक्षा के माध्यम से न केवल ज्ञान अर्जित करने में सहायक होता है। बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक, मानसिक और भावनात्मक गुणों को भी प्रोत्साहित करता है। इस शोध पत्र में केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियो में व्यक्तित्व विकास एवं उनमें पाए जाने वाले प्रमुख व्यक्तित्व शीलगुणों जैसे - आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल, सहानुभूति और सकारात्मक दृष्टिकोण आदि गुणो पर चर्चा की गयी है तथा इन गुणों के मापन के लिए रेमण्ड केटल द्वारा निर्मित 16 PF Test का उपयोग किया गया है। इसमें व्यक्तित्व विकास में शिक्षकों और अभिभावकों की भूमिका, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और आधुनिक शिक्षण तकनीकों के प्रभाव को भी रेखांकित किया गया है।

यह अध्ययन इस निष्कर्ष पर पहुँचता है कि केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों में पाये जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्वशील गुणों एवं व्यक्तित्व विकास में सार्थक अंतर पाया गया है और व्यक्तित्व शील गुणों का विकास उन्हें एक सशक्त और संतुलित जीवन जीने में सहायता करता है और समाज के लिए एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करता है।

बीज शब्द : *व्यक्तित्व विकास, व्यक्तित्वशील गुण, नैतिक विकास, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, संवाद-कौशल।*

प्रस्तावना

बच्चों में व्यक्तित्व और शील गुणों का विकास उनके जीवन को सफल और समाजोपयोगी बनाने के लिए अन्यन्त महत्वपूर्ण है। यह प्रक्रिया न केवल उनके शारीरिक और मानसिक विकास को प्रभावित करती है, बल्कि उनके सामाजिक, नैतिक और भावनात्मक पक्ष को भी सुदृढ़ करती है। इस प्रक्रिया में परिवार, शिक्षक और समाज की समान भूमिका होती है। सही मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से बच्चों का विकास सही दिशा में होता है, जिससे वे अच्छे नागरिक और जिम्मेदार बनते हैं।

समस्या का औचित्य

बच्चों के व्यक्तित्व विकास का अध्ययन शिक्षा, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान और मानव विकास के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा समाज को ऐसे शिक्षित और संतुलित व्यक्तित्व वाले नागरिकों की आवश्यकता है, जो जीवन के हर क्षेत्र में योगदान कर सके।

इस शोध से शिक्षण प्रक्रिया, सह-शैक्षकणिक गतिविधियों और प्रशासनिक नीतियों में सुधार करने के लिए सुझाव मिल सकते हैं तथा केन्द्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियो के व्यक्तित्व विकास का अध्ययन शिक्षा के क्षेत्र मे सुधार के लिए आवश्यक है। यह शोध उनके शैक्षणिक और सामाजिक विकास को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

समस्या कथन

केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का तुलनात्मक अध्ययन।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1 केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास का तुलनात्मक अध्ययन करना।

2 केन्द्रीय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले छात्रों में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास का तुलनात्मक अध्ययन करना।

3 केन्द्रीय विद्यालयों में अध्ययन करने वाली छात्राओं में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास का तुलनात्मक अध्ययन करना।

4 नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले छात्रों में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास का तुलनात्मक अध्ययन करना।

5 नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाली छात्राओं में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाएँ

1 केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

2 केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले छात्रों में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

3 केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाली छात्राओं में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

सबंधित साहित्य का अध्ययन

1 जैन गणेश लाल (1990): राजस्थान के शहरी तथा ग्रामीण किशोर बालिकाओं के व्यक्तित्व लक्षणों, आकांक्षा स्तर तथा मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन।

निष्कर्ष : ग्रामीण किशोर बालिकाओं के आनंद मूल्यों तथा धार्मिक मूल्यों पर अधिक अंक प्राप्त करना पाया गया।

जबकि शहरी बालिकाओं के आनंद मूल्यों तथा धार्मिक मूल्यों पर कम अंक प्राप्त करना पाया गया। जबकि शहरी बालिकाओं के स्वास्थ्य मूल्य, सामाजिक ज्ञान, लोकतंात्रिक मूल्यों पर अधिक अंक प्राप्त हुए।

सक्सेना, अंजू (1994), विद्यालय जाने वाले बच्चों के व्यक्तित्व के सबल पक्षों का अध्ययन।

निष्कर्ष : प्रस्तुत शोध में निष्कर्ष रूप में पाया कि उच्च वर्ग के बच्चों मे उच्च भावनाओं की मात्रा निम्न वर्ग के बच्चों से अधिक पायी गयी। उच्च वर्ग के बच्चों में भावनात्मक व संवेगात्मक परिपक्वता निम्न वर्ग के बच्चों से अधिक थी। लड़कों में लड़कियों की तुलना में 15% व्यक्तित्व घटक सबल व नकारात्मक पाए गए।

सुतिन एट अल (2009) : नेतृत्व कौशल और बिग फाइव व्यक्तित्व लक्षण (ईमानदारी, भावनात्मक स्थिरता, खुलापन, स्वीकार्यता व बहिर्मुखता) का नेतृत्व कौशल एवं कर कर्तव्यनिष्ठा के साथ सहसंबंध का अध्ययन किया।

निष्कर्ष - शोध में पाया गया कि बिग फाइव व्यक्तित्व लक्षणों की नेतृत्व क्षमता एवं कर्तव्य में महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

डॉ. पारीक, डॉ. ममता (2013): शोध शिक्षा समिति एवं सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के सृलनशीलता, व्यक्तित्व एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन।

निष्कर्ष : शोध शिक्षा समिति एवं सरकारी विद्याालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के व्यक्तित्व गुणों में अंतर पाया जाता है। शोध शिक्षा समिति एवं सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं की नम्रता, मौलिकता, व्यक्तित्व, सहज प्रवाह में अंतर पाया गया।

नीसेनी, देसी, डेसर डेनियल, स्पेंगलर, मेरियर एवं लेचनट, क्लेमेस एम.(2024): बड़े पाँच व्यक्तित्व लक्षण स्कूल से व्यावसायिक शिक्षा और सफल प्रशिक्षण में सफल संक्रमण की भविष्यवाणी करते है : एक बड़े पैमाने पर अध्ययन।

निष्कर्ष - शोध में पाया गया कि सफल शैक्षिक संक्रमण की भविष्यवाणी करने में व्यक्तित्व की भूमिका महत्वपूर्ण है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध के अध्ययन के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

अध्ययन हेतु जनसंख्या

प्रस्तुत शोध में जनसंख्या के रूप में हाड़ौती क्षेत्र में स्थित केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले कक्षा 6-12 वीं तक के समस्त विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

न्यादर्श चयन विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन में न्यादर्श के रूप में केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले 400 विद्यार्थियों का चयन किया गया है जो यादृच्छिक विधि के माध्यम से किया गया है।

शोध उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में आँकड़ों के संकलन के लिए निम्नलिखित मानकीकृत उपकरण का प्रयोग किया गया है।

1 व्यक्तित्व - कैटल के 16 PF Test का हिन्दी वर्जन (एस.डी. कपूर द्वारा निर्मित)

सांख्यिकीय विधियाँ

शोध समस्या की प्रकृति अनुसार उपयुक्त सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग किया गया है।

1. प्रतिशतता

शोध अध्ययन का परिसीमन

शोधकर्ता द्वारा समय, धन तथा श्रम की उपयुक्तता को ध्यान में रखते हुए अपना शोधकार्य केवल हाड़ौती क्षेत्र तक ही सीमित रखा गया है तथा अपना शोध कार्य पूर्ण करने के लिए हाड़ौती क्षेत्र में स्थित केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले कक्षा 6 से 12वीं तक के 400 विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण व व्याख्या

उद्देश्य: 1 केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना : 1. केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

सारणी संख्या - 1

क्रम	कारक	समूह	कुल विद्यार्थी	प्राप्त प्रत्युत्तर		
				Law	Aver.	High
1	A	KV विद्यार्थी	**200**	45.50%	38.00%	16.50%
		JNV विद्यार्थी	**200**	67.50%	21.50%	11.00%
2	B	KV विद्यार्थी	**200**	68.50%	22.50%	9.00%
		JNV विद्यार्थी	**200**	84.50%	10.00%	5.50%
3	C	KV विद्यार्थी	**200**	41.00%	37.00%	22.00%
		JNV विद्यार्थी	**200**	40.50%	44.00%	15.50%
4	E	KV विद्यार्थी	**200**	26.00%	27.50%	46.50%
		JNV विद्यार्थी	**200**	15.50%	40.50%	44.00%
5	F	KV विद्यार्थी	**200**	13.50%	36.00%	50.50%
		JNV विद्यार्थी	**200**	9.50%	58.00%	32.50%
6	G	KV विद्यार्थी	**200**	42.50%	15.00%	42.50%
		JNV विद्यार्थी	**200**	47.00%	37.50%	15.50%
7	H	KV विद्यार्थी	**200**	49.00%	37.00%	14.00%
		JNV विद्यार्थी	**200**	38.00%	50.00%	12.00%

8	I	KV fo|kFkhZ	**200**	30.50%	34.00%	35.50%
		JNV विद्यार्थी	**200**	27.50%	34.50%	38.00%
9	L	KV विद्यार्थी	**200**	19.00%	38.00%	43.00%
		JNV विद्यार्थी	**200**	15.50%	51.00%	35.50%
10	M	KV विद्यार्थी	**200**	19.00%	35.50%	45.50%
		JNV विद्यार्थी	**200**	13.00%	31.00%	56.00%
11	N	KV विद्यार्थी	**200**	35.00%	49.50%	15.50%
		JNV विद्यार्थी	**200**	53.50%	30.50%	16.00%
12	O	KV विद्यार्थी	**200**	19.00%	46.50%	34.50%
		JNV विद्यार्थी	**200**	24.50%	46.50%	29.00%
13	Q_1	KV विद्यार्थी	**200**	38.00%	35.50%	26.50%
		JNV विद्यार्थी	**200**	42.00%	33.50%	24.50%
14	Q_2	KV विद्यार्थी	**200**	34.50%	42.50%	23.00%
		JNV विद्यार्थी	**200**	39.00%	45.50%	14.50%
15	Q_3	KV विद्यार्थी	**200**	55.00%	31.50%	13.50%
		JNV विद्यार्थी	**200**	58.50%	26.50%	15.00%
16	Q_4	KV विद्यार्थी	**200**	20.00%	42.00%	38.00%
		JNV विद्यार्थी	**200**	47.00%	24.50%	28.50%

उपर्युक्त सारणी संख्या 1 का विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट होता है कि केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व कारकों में सार्थक अन्तर पाया जाता है।

इसलिए परिकल्पना - 1 केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास में कोई सार्थक अन्तर नहीं है, को अस्वीकार किया जाता है।

उद्देश्य 2 केन्द्रीय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले छात्रों में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास का तुलनात्मक अध्ययन करना।

उद्देश्य 3 : नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले छात्रों में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना 2 : केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले छात्रों में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

सारणी संख्या - 2

क्रम	**कारक**	**समूह**	**कुल विद्यार्थी**	**प्राप्त प्रत्युत्तर**		
				Law	Aver.	High
1	A	KV छात्र	**111**	49.00%	48.00%	14.00%

		JNV छात्र	**130**	101.00%	22.00%	07.00%
2	B	KV छात्र	**111**	80.00%	26.00%	05.00%
		JNV छात्र	**130**	119.00%	10.00%	01.00%
3	C	KV छात्र	**111**	47.00%	43.00%	21.00%
		JNV छात्र	**130**	49.00%	62.00%	19.00%
4	E	KV छात्र	**111**	29.00%	23.00%	59.00%
		JNV छात्र	**130**	18.00%	49.00%	63.00%
5	F	KV छात्र	**111**	14.00%	33.00%	64.00%
		JNV छात्र	**130**	12.00%	73.00%	45.00%
6	G	KV छात्र	**111**	15.00%	13.00%	83.00%
		JNV छात्र	**130**	52.00%	56.00%	22.00%
7	H	KV छात्र	**111**	54.00%	42.00%	15.00%
		JNV छात्र	**130**	55.00%	65.00%	10.00%
8	I	KV छात्र	**111**	27.00%	37.00%	47.00%
		JNV छात्र	**130**	36.00%	40.00%	54.00%
9	L	KV छात्र	**111**	24.00%	37.00%	50.00%
		JNV छात्र	**130**	22.00%	61.00%	47.00%
10	M	KV छात्र	**111**	22.00%	31.00%	58.00%
		JNV छात्र	**130**	15.00%	28.00%	87.00%
11	N	KV Nk=	**111**	31.00%	61.00%	19.00%
		JNV छात्र	**130**	79.00%	33.00%	18.00%
12	O	KV छात्र	**111**	23.00%	50.00%	38.00%
		JNV छात्र	**130**	34.00%	61.00%	35.00%
13	Q_1	KV छात्र	**111**	48.00%	30.00%	33.00%
		JNV छात्र	**130**	68.00%	33.00%	29.00%
14	Q_2	KV छात्र	**111**	32.00%	48.00%	31.00%
		JNV छात्र	**130**	48.00%	61.00%	19.00%
15	Q_3	KV छात्र	**111**	67.00%	28.00%	16.00%

		JNV छात्र	**130**	75.00%	33.00%	22.00%
16	Q_4	KV छात्र	**111**	25.00%	48.00%	38.00%
		JNV छात्र	**130**	76.00%	22.00%	32.00%

उपर्युक्त सारणी संख्या 2 का विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट होता है कि केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले छात्रों में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व कारकों में सार्थक अन्तर पाया जाता है।

इसलिए परिकल्पना 2 केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले छात्रों में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास में कोई सार्थक अन्तर नहीं है, को अस्वीकार किया जाता है।

उद्देश्य 3 केन्द्रीय विद्यालयों में अध्ययन करने वाली छात्राओं में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास का तुलनात्मक अध्ययन करना।

उद्देश्य 4 : नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाली छात्राओं में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना 3 : केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाली छात्राओं में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

सारणी संख्या - 3

क्रम	**कारक**	**समूह**	**कुल विद्यार्थी**	**प्राप्त प्रत्युत्तर**		
				Law	Aver.	High
1	A	KV छात्रा	89	42.00%	28.00%	19.00%
		JNV छात्रा	70	34.00%	21.00%	15.00%
2	B	KV छात्रा	89	57.00%	19.00%	13.00%
		JNV छात्रा	70	50.00%	10.00%	10.00%
3	C	KV छात्रा	89	35.00%	31.00%	23.00%
		JNV छात्रा	70	32.00%	26.00%	12.00%
4	E	KV छात्रा	89	23.00%	32.00%	89.00%
		JNV छात्रा	70	13.00%	32.00%	25.00%
5	F	KV छात्रा	89	13.00%	39.00%	37.00%
		JNV छात्रा	70	07.00%	43.00%	20.00%
6	G	KV छात्रा	89	70.00%	17.00%	02.00%
		JNV छात्रा	70	42.00%	19.00%	09.00%
7	H	KV छात्रा	89	44.00%	32.00%	13.00%
		JNV छात्रा	70	21.00%	35.00%	14.00%
8	I	KV छात्रा	89	34.00%	31.00%	24.00%
		JNV छात्रा	70	19.00%	29.00%	22.00%

9	L	KV छात्रा	89	14.00%	39.00%	36.00%
		JNV छात्रा	70	09.00%	41.00%	20.00%
10	M	KV छात्रा	89	16.00%	40.00%	33.00%
		JNV छात्रा	70	11.00%	34.00%	25.00%
11	N	KV छात्रा	89	39.00%	38.00%	12.00%
		JNV छात्रा	70	28.00%	28.00%	14.00%
12	O	KV छात्रा	89	15.00%	43.00%	31.00%
		JNV छात्रा	70	15.00%	32.00%	23.00%
13	Q_1	KV छात्रा	89	28.00%	41.00%	20.00%
		JNV छात्रा	70	16.00%	34.00%	20.00%
14	Q_2	KV छात्रा	89	37.00%	37.00%	15.00%
		JNV छात्रा	70	30.00%	30.00%	10.00%
15	Q_3	KV छात्रा	89	43.00%	35.00%	11.00%
		JNV छात्रा	70	42.00%	20.00%	08.00%
16	Q_4	KV छात्रा	89	15.00%	36.00%	38.00%
		JNV छात्रा	70	18.00%	27.00%	25.00%

उपर्युक्त सारणी संख्या 3 का विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट होता है कि केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाली छात्राओं में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व कारकों में सार्थक अन्तर पाया जाता है।

इसलिए परिकल्पना 3 केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाली छात्राओं में पाए जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास में कोई सार्थक अन्तर नहीं है, को अस्वीकार किया जाता है।

निष्कर्ष

1 केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों में पाये जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास में सार्थक अन्तर पाया गया है।

2 केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले छात्रों में पाये जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास में सार्थक अन्तर पाया गया है।

3 केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययन करने वाली छात्राओं में पाये जाने वाले विभिन्न व्यक्तित्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास में सार्थक अन्तर पाया गया है।

शैक्षिक निहितार्थ

व्यक्तित्व विकास - व्यक्तित्व विकास शिक्षा का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है, जिसमें व्यक्ति की सम्पूर्णता का विकास किया जाता है। यह केवल बौद्धिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भावनात्मक, सामाजिक, नैतिक और शारीरिक विकास भी शामिल होता है।

व्यक्तित्व विकास का शैक्षिक निहितार्थ निम्नालिखित हैं :

1 **समग्र विकास पर बल** - शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं है, बल्कि छात्रों के व्यक्तित्व को इस प्रकार विकसित करना है, कि वे समाज में एक सशक्त और सकारात्मक भूमिका निभा सकें।

2 **आत्मविश्वास और आत्म निर्भरता** - व्यक्तित्व विकास के माध्यम से छात्रों में आत्मविश्वास और आत्म निर्भरता की भावना विकसित की जाती है, यह उन्हें चुनौतियों का सामना करने और समस्याओं को हल करने में सक्षम बनाता है।

3 **मूल्य आधारित शिक्षा** - व्यक्तित्व विकास के लिए नैतिक और सामाजिक मूल्यों का समावेश आवश्यक है। शिक्षा के माध्यम से ईमानदारी सहयोग, सहिष्णुता और सद्भाव जैसे व्यक्तित्व शीलगुणों को विकसित किया जाता है।

4 **संवाद और सामाजिक कौशल** - शिक्षा के दौरान छात्रों में संवाद कौशल, टीम वर्क और नेतृत्व जैसे व्यक्तित्व शीलगुणों का विकास किया जाता है जो उन्हें समाज में प्रभावी ढ़ंग से जुड़ने में मदद करते हैं।

5 **रचनात्मकता और नवाचार** - शैक्षिक प्रक्रिया में व्यक्तित्व विकास का उद्देश्य छात्रों में रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देना है, ताकि वे नई संभावनाओं का सृजन कर सकें।

6 **भावनात्मक संतुलन** - शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को मानसिक और भावनात्मक रुप से संतुलित बनाना है। यह तनाव प्रबंधन, आत्म-नियंत्रण और धैर्य जैसे व्यक्तित्व शील गुणों का विकास करता है।

7 **वैश्विक दृष्टिकोण** - व्यक्तित्व विकास शिक्षा के माध्यम से छात्रों को वैश्विक नागरिक बनने के लिए तैयार करता है, जिससे वे विभिन्न संस्कृतियों और विचारधाराओं को समझ सकें।

व्यक्तित्व विकास के सन्दर्भ में भावी शोध सुझाव

1 सांस्कृतिक सन्दर्भ में अध्ययन - विभिन्न संस्कृतियों और समाजों में व्यक्तित्व विकास के कारकों का तुलनात्मक अध्ययन करना चाहिए जो कि यह समझने में मदद करेगा कि संस्कृति और परम्पराऐं व्यक्तित्व निर्माण को कैसे प्रभावित करती है।

2 तकनीकी और डिजिटल प्रभाव - डिजिटल युग में व्यक्तित्व विकास पर सोशल मीडिया और वर्चुअल रियलिटी का प्रभाव शोध का महत्वपूर्ण विषय हो सकता है।

3 मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तित्व - मानसिक स्वास्थ्य जैसे : तनाव, अवसाद और चिंता का व्यक्तित्व विकास पर क्या प्रभाव पड़ता है, इसका शोध अध्ययन किया जा सकता है।

4 जेन्डर और व्यक्तित्व विकास - विभिन्न लिंगों में व्यक्तित्व विकास के पैटर्न का अध्ययन करना यह समझने में मदद करेगा कि जैविक और सामाजिक कारक किस तरह से कार्य करते हैं।

5 आनुवंशिक और पर्यावरणीय प्रभाव - व्यक्तित्व विकास में आनुवंशिक और पर्यावरणीय कारकों के योगदान का अध्ययन किया जा सकता है।

6 आयुवर्ग आधारित अध्ययन - बाल्यावस्था, किशोरावस्था, वयस्कावस्था और वृद्धावस्था में व्यक्तित्व विकास के चरणों और बदलावों का विश्लेषण करना।

7 नैतिकता और व्यक्तित्व - नैतिक मूल्यों और आदर्शों का व्यक्तित्व विकास पर प्रभाव शोध के लिए एक रोचक क्षेत्र हो सकता है।

8 आधुनिक चुनौतियों का प्रभाव - ग्लोबलाइजेशन, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक अस्थिरता जैसी आधुनिक चुनौतियों का व्यक्तित्व पर प्रभाव का अध्ययन।

इन शोध विषयों पर ध्यान केन्द्रित करके व्यक्तित्व विकास के क्षेत्र में नई और उपयोगी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1 वशिष्ठ, डॉ. राजेश, जोशी, डॉ. प्रेम लता, बाल्यावस्था एवं विकास, लक्ष्मी पब्लिकेशन प्रा.लि. आगरा

2 सिड़ाना, डॉ. अशोक, अधिगम और शिक्षण, शिक्षा प्रकाशन, जयपुर

3 शर्मा, डॉ. आर.ए., छात्र का विकास एवं शिक्षण अधिगम प्रक्रिया, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ

4 सैनी, डॉ. कैलाश चन्द, शिक्षण और अधिगम, मंगल प्रकाशन मंदिर जयपुर

5 दत्ता, संजय, शिक्षा मनोविज्ञान में अधिगम एवं व्यक्तित्व, जैन प्रकाशन, मन्दिर, जयपुर

6 कुरैशी, मो. अरशद, व्यक्तित्व विकास, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल

7 सिन्हा, डॉ. आदित्य प्रसाद, व्यक्तित्व विकास के विविध पहलू

8 माथुर, डॉ. नेहा, Personality Development कैलाश, पुस्तक सदन, भोपाल

9 मिश्र, प्रो. योगेश चन्द्र, श्रीवास्तव, डॉ. रवि कुमार, व्यक्तित्व विकास के सौपान, चौखम्भा ओरियन्टालिया, वाराणसी

10 गोस्वामी, डॉ. सुरेन्द्र बिहारी, खरे, डॉ. प्रदीप कुमार, व्यक्तित्व विकास के विभिन्न आयाम, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

11 शुक्ला, आराधना, दुबे अनुभूति सम्प्रेषण कौशल एवं व्यक्तित्व विकास

12 डॉ. पुष्पेन्द्र, सिंह डॉ. वीरेन्द्र, सिंह डॉ.महेंद्र, संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास

13 कुमार, एल.एन., व्यक्तित्व विकास, बोधी प्रकाशन, जयपुर

जर्नल

1 इंटर नेशनल जर्नल ऑफ ट्रेड इन साइंटिफिक रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट Vol.5 (4), ISSN No. 2456-6470, May-June-2021

2 विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में अन्तर्राष्ट्रीय उन्नत अनुसंधान जर्नलVol. 8 (12) ISSN No. 2394-1588

3 Shanlax International Journal of Education Vol. 4 (1) Dec. 2015, ISSN No. 2320-2653

4 द इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ साइकॉलॉजी, ISSN No. 2348-5396, Vol. 7 (2)

पत्र-पत्रिकाएँ

1 आर.ए. शर्मा, शिक्षा तथा मनोविज्ञान में परा एवं अपरा सांख्यिकी, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ

2 डॉ. एस.एस.चंद्रा, डॉ. रेनू राव, ^^Educational Psychology Evaluation & Statistics", R.Lall Book Dept. Meerut.